Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding request to declare holiday on the occassion of Ashok Jayanti.

डॉ. संघमित्रा मौर्या (बदायूं): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । आज मैं आपका ध्यान सम्राटों के सम्राट अर्थात् चक्रवर्ती सम्राट अशोक विश्व प्रसिद्ध एवं शक्तिशाली भारतीय राजवंश के महान सम्राट की ओर आकृष्ट करना चाहती हूं ।

अपने शासनकाल में उन्होंने कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जन-जन में अपनी लोकप्रियता हासिल की, सभी प्रकार के विकास सुनिश्चित करवाए तथा युद्ध से बुद्ध की ओर चलने का रास्ता दिखाया । कलिंग युद्ध में लाखों लोगों की मृत्यु हुई । डेढ़ लाख से ज्यादा लोग घायल हुए । कई माताओं ने अपने बेटे खो दिए, कई महिलाओं ने अपने पति खो दिए, कई नौनिहाल बच्चों ने अपने पिता खो दिए तो कहीं बहुत-सी बहनों ने अपने भाई खो दिए । उस वीभत्स घटना को देखकर सम्राट अशोक का मन दया और करुणा से भर जाता है । उसके बाद वे तय करते हैं कि 'बुद्धम शरणम् गच्छामि' के मार्ग पर चलेंगे । उसी राह पर चलते हुए, उन्होंने निर्णय लिया कि वह अब युद्ध से नहीं बल्कि करुणा, मैत्री, बंधुत्व और भाईचारे के माध्यम से जीतेंगे और अब जमीन पर नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में राज करेंगे । भगवान बुद्ध की शरण में जाकर उनके उपदेशों को पूरे विश्व में भाईचारे का संदेश दिया । यही कारण है कि आज भी पूरी दुनिया में भगवान बुद्ध के विचार और दर्शन उतने ही व्यावहारिक हैं, जितने ढाई हजार वर्ष पूर्व थे । सम्राट अशोक का जन्म 304 ईसा पूर्व चैत्य मास शुक्ल अष्टमी पर हुआ था, जिसे आज लोग अंग्रेजी महीने के अनुसार 13 अप्रैल को मनाते हैं ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहती हूं कि ऐसे शासक सम्राट अशोक जिन्हें विश्व में प्रथम शासक होने का गौरव प्राप्त हुआ है, मैं ऐसे सम्राट अशोक की जयंती पर अवकाश की मांग करती हूं, जिससे उनकी जयंती

को धूमधाम से मनाया जा सके और जन-जन तक उनके गौरवमय इतिहास का संदेश जा सके । आज इस देश के यशस्वी प्रधान मंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने धारा 370 हटाकर अखण्ड भारत का निर्माण, उन्हीं की बताई हुई राह पर चलकर किया है । वे इस देश को पुन: विश्व गुरु भी बनाना चाहते हैं । ऐसा निर्णय निश्चित तौर पर हम सभी का एक कदम आगे बढ़ने की ओर होगा । अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, श्री राहुल कस्वां, डॉ. मनोज राजोरिया और श्री कुलदीप राय शर्मा को डॉ. संघमित्रा मौर्याद्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।